

क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड में क्या Difference होता है?

 continuegyan.com/difference-between-credit-card-and-debit-card

आज के इस ब्लॉग-पोस्ट (**Difference Between Credit Card and Debit Card**) में हम बात करने वाले हैं कि डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड क्या होता है और इन दोनों में क्या फर्क होता है।

नवम्बर 2016 के बाद से लोगों के पास कैश न होने की परेशानी सबने देखी थी, हमें कोई जरूरी सामान खरीदना होता था लेकिन उसे खरीदने के लिए हमारे पास कैश नहीं होता था।



कैश की परेशानी से बचने के लिए सरकार ने डिजिटल पेमेंट को जोर-शोर से बढ़ावा देना शुरू किया और लोगो ने भी इस नयी तरीके को अपनाना शुरू किया।

इस तरह हर जगह कैशलेस पेमेंट का सिलसिला बढ़ने लगा, इसका फायदा बहुत से लोगो को हुआ क्योंकि अब पॉकेट में कैश रखने की परेशानी से छुटकारा मिल गया और अब हम कहीं भी, कभी भी डिजिटल पेमेंट के जरिये कोई भी लेनदेन कर सकते हैं।

डिजिटल पेमेंट करने के लिए सबसे जरूरी चीज होती है बैंक में अपना खाता होना, अगर किसी व्यक्ति का बैंक में खाता नहीं है तो वो डिजिटल पेमेंट नहीं कर सकता है।

क्योंकि डिजिटल पेमेंट में पैसे बैंक में बने अकाउंट से कटते हैं, जब हम किसी बैंक में अकाउंट Open कराते हैं तो बैंक हमें एक प्लास्टिक कार्ड देता है जिसको हम ATM मशीन में इस्तेमाल करके पैसे निकाल सकते हैं।

ये कार्ड दो तरह के होते हैं डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड।

1) What is Debit Card

जब हम बैंक में अपना अकाउंट Open कराते हैं तो बैंक हमें डेबिट कार्ड जारी करता है जो हमारे अकाउंट से

जुड़ा हुआ होता है। इसके फ्रंट साइड में आपको Rupay, Visa या Master Card का लोगो देखने को मिलेगा।

इस कार्ड को आप एटीएम में तो इस्तेमाल कर ही सकते हैं इसके अलावा आप इससे ऑनलाइन पेमेंट भी कर सकते हैं और ऑनलाइन शॉपिंग भी कर सकते हैं। ये कार्ड बैंक से लिंक होता है इसीलिए जितने पैसे आपके अकाउंट में होते हैं उतने ही पैसे आप इस कार्ड से खर्च कर सकते हैं।

डेबिट कार्ड की मदद से हम एटीएम मशीन से पैसे निकालने के साथ ही ऑनलाइन Transactions और शॉपिंग भी कर सकते हैं। अपने दोस्तों या रिश्तेदारों को पैसे ट्रान्सफर कर सकते हैं, इसके अलावा जब आप बाहर किसी मॉल में या दुकानों में शॉपिंग करने जाते हैं तब भी आप वहां अपने डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके पेमेंट कर सकते हैं।



इसके लिए वहां पर अपने कार्ड को स्वाइप करके पिन नंबर डालना होता है और उसके बाद आपका जो Payment है वो Successful हो जाता है।

जब भी हम कुछ खरीदने के लिए या कोई बैंक Transaction करने के लिए अपने Debit Card का इस्तेमाल करते हैं तो पैसे हमारे बैंक अकाउंट से कट जाते हैं और बैंक से हमारे लिए गये नंबर पर उसी समय एक SMS भी आ जाता है।

जिससे हमारे अकाउंट में कितने पैसे बचे हैं और कितने रुपये काटे गये हैं इस सब की जानकारी होती है। डेबिट कार्ड का इस्तेमाल हम कभी भी और कहीं भी आसानी से कर सकते हैं।

डेबिट कार्ड कितने तरह के होते हैं?

बैंक अपने ग्राहक को सुविधा देने के लिए डेबिट कार्ड सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के साथ जुड़ते हैं जो बैंक को डेबिट कार्ड प्रोवाइड करते हैं जैसे कि Visa, Master Card, Rupay और Maestro डेबिट कार्ड।

ये वो कंपनिया है जो बैंक को डेबिट कार्ड प्रोवाइड कराते है और बैंक उन डेबिट कार्ड्स को ग्राहकों को जारी करते है।

2) What is Credit Card

डेबिट कार्ड की तरह क्रेडिट कार्ड किसी अकाउंट से Link नहीं होता है बल्कि ये किसी फाइनेंसियल इंस्टिट्यूट या बैंक के द्वारा आपको जारी किया जाता है जो लोगो को लोन देते है और बदले में वो कुछ % इंटरेस्ट रेट आपसे भुगतान के वक़्त लेते है।

यह कार्ड भी देखने में बिल्कुल डेबिट कार्ड की तरह ही होता है और इसपर भी आपको Visa, Master Card या Rupay वगैरह के Logo देखने को मिलेगा। इस कार्ड का इस्तेमाल आप एटीएम मशीन में एक लिमिट तक ही कर सकते है क्योंकि ये कार्ड किसी अकाउंट से Link नहीं होता है।

क्रेडिट कार्ड भी स्वाइप मशीन में Acceptable है इसीलिए इससे कहीं पर भी स्वाइप करके आप पेमेंट कर सकते है। क्रेडिट कार्ड से आप रूपए उधार लेते है और उसे खर्च करके बैंक को आप बिल के रूप में वो पैसे वापस करते है।

अगर आप समय पर क्रेडिट कार्ड बिल का पेमेंट नहीं करते है तो बैंक आपसे ब्याज के साथ-साथ पेनल्टी भी वसूल करते है।

क्रेडिट कार्ड से पैसे इस्तेमाल करने की एक लिमिट होती है यानि कि जो बैंक आपको क्रेडिट कार्ड जारी करते है वो इस कार्ड से पैसे खर्च करने की एक लिमिट सेट कर देते है। उस लिमिट से ज्यादा आप खर्च नहीं कर सकते है।



ये लिमिट महीने के 1 लाख भी हो सकती है और इससे कम 30 हजार या 50 हजार भी हो सकती है। बैंक ये लिमिट आपके बिज़नेस और इनकम वगैरह को देखकर तय करते है जिससे कि आप उनके लोन को आसानी के साथ चुका सके।

आप लिमिट के अंदर ही क्रेडिट कार्ड से पैसे खर्च कर सकते हैं और महीने के आखिर में या जब भी बैंक आपको कोई तारीख देता है कि हर महीने की इस तारीख को आपको वो सारे पैसे चुकाने होंगे जो भी आप क्रेडिट कार्ड से इस्तेमाल करते हैं।

अगर आप उन पैसे को समय पर नहीं चुकाते हैं तो बैंक आपसे बिल के साथ-साथ पेनल्टी चार्ज भी लेते हैं।

Difference Between Credit Card and Debit Card

पहला फर्क तो ये होता है कि डेबिट कार्ड आपके बैंक अकाउंट से Link होता है, जुड़ा हुआ होता है और क्रेडिट कार्ड किसी बैंक अकाउंट से जुड़ा हुआ नहीं रहता है।

डेबिट कार्ड से आप जितने चाहे उतने पैसे खर्च कर सकते हैं जब तक आपका बैंक अकाउंट 0 बैलेंस ना हो जाये लेकिन आप क्रेडिट कार्ड से सिर्फ उतने ही पैसे खर्च कर सकते हैं जितनी कि उसमें लिमिट सेट कर दी गयी है।

आपने एक चीज जरूर ध्यान दिया होगा कि डेबिट कार्ड तो आपको हर किसी के पास मिल जाता है, लेकिन क्रेडिट कार्ड किसी-किसी के पास ही होता है।

ऐसा इसीलिए होता है क्योंकि डेबिट कार्ड तो सबको बैंक में खाता खुलवाते ही दे दिया जाता है लेकिन क्रेडिट कार्ड के लिए अलग से अप्लाई करना पड़ता है।

बैंक आपकी मासिक सैलरी या आपका बिज़नेस देखकर और सारी डिटेल्स चेक करने के बाद ही आपको क्रेडिट कार्ड देने के लिए **Approve** करता है।

क्रेडिट कार्ड से पैसे खर्च करने के बाद आपको Monthly Bill आता है जिसमें आपके द्वारा किये गये सारे Transactions की डिटेल्स होती है और बैंक को आपको कितने पैसे देने हैं ये भी उसमें लिखा हुआ होता है।

लेकिन डेबिट कार्ड में ऐसा कुछ नहीं होता है, डेबिट कार्ड से जब भी आप कोई पेमेंट करते हैं तभी आपके बैंक अकाउंट से वो पैसे कट जाते हैं।

जब आप क्रेडिट कार्ड से पैसे खर्च करते हैं तो उसके एक महीने के बाद आपके पास एक बिल आता है जिसमें आपके किये गये सारे Transactions की डिटेल्स होती है और उसमें आपको पेमेंट करने के तीन ऑप्शन दिए हुए होते हैं।

आप चाहे तो फुल पेमेंट कर सकते हैं जितना आपने खर्च किया था, उदाहरण के लिए मान लीये आपने 1 नवम्बर को 1 लाख रुपये खर्च किये और उसके बाद आपको 1 दिसम्बर को बिल आ गया जिसमें वो सारे Transactions होंगे जो आपने किये हैं और उसमें आपको पेमेंट करने के तीन ऑप्शन मिलेंगे।

या तो आप पूरे 1 लाख रुपये पेमेंट कर सकते हैं या फिर आप एक मिनिमम अमाउंट जो Due है उसे Pay कर सकते हैं जो कि 3000 या 5000 रुपये हो सकता है या फिर एक Other Amount का ऑप्शन होता है जिसमें आप जितने चाहे उतने पैसे Pay कर सकते हैं।

लेकिन जब भी आप क्रेडिट कार्ड से पैसे खर्च करें तो मैं आपको यही सलाह दूंगा कि बिल आने के बाद आपको पूरे बिल का भुगतान करना चाहिए क्योंकि इससे आपके ऊपर कोई पेनल्टी नहीं लगेगी।

अगर आप कार्ड से एक महीने में 1 लाख रुपए खर्च करते हैं तो आपको 1 लाख रुपये ही देने पड़ेंगे, इसमें आपको किसी भी तरह की कोई पेनल्टी नहीं देनी होगी। बहुत से लोग कहते हैं कि क्रेडिट कार्ड बहुत ही खतरनाक चीज है और इसमें काफी सारे ब्याज, काफी सारा इंटरेस्ट देना पड़ता है।

मैं बस यही कहना चाहूँगा कि अगर आप क्रेडिट कार्ड का बिल समय पर जमा करते हैं तो आपको इसमें एक रुपया भी फालतू देना नहीं पड़ेगा इंटरेस्ट वगैरह इसमें कुछ नहीं लगता है वो तब लगता है जब आप किसी बिल को डिफॉल्ट कर देते हैं। अगर आप समय पर बिल जमा नहीं करते हैं तभी आपको इसमें Penalty Charges देने पड़ते हैं।

मुझे क्रेडिट कार्ड लिए हुए 11 महीने हो गये हैं और आज तक मैंने एक भी बिल डिफॉल्ट नहीं किया है इसीलिए मैंने आज तक इसमें एक रुपया भी इंटरेस्ट का नहीं दिया है।

मैं हर महीने अपनी लिमिट के पूरे पैसे लगभग खर्च कर देता हूँ और जब भी बिल आता है तो मैं पूरा ही बिल जमा करता हूँ, इससे ना तो मुझे कोई इंटरेस्ट देना पड़ता है और ना ही कोई Penalty या Extra Charges मुझे देने पड़ते हैं।

दोस्तों, देखा जाये तो क्रेडिट कार्ड एक बहुत अच्छी चीज है अगर आपको कोई इमरजेंसी आ जाती है और आप किसी से पैसे उधार नहीं लेना चाहते हैं तो आप अपने क्रेडिट कार्ड को इस्तेमाल करके उन पैसे को अपनी इमरजेंसी में इस्तेमाल कर सकते हैं और जब भी आपके पास पैसे हों आप वो बिल जमा कर सकते हैं।

इससे आपको ना ही कोई एक्स्ट्रा पैसे खर्च करने पड़ेंगे और ना ही आपको कोई प्रॉब्लम होगी।

Difference Between Credit Card and Debit Card की जानकारी यहीं समाप्त करते हैं और आपको इसे शेयर करने के लिए धन्यवाद .. शेयर जरूर करें ..